www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–20 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, शुक्रवार 19 दिसम्बर 2025 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

धर्मनाथ मंदिर से 20 लाख रुपये से अधिक की चोरी, एफआईआर दर्ज

छपरा (एजेंसी) । बिहार में सारण जिला मुख्यालय के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित धर्मनाथ मंदिर में बुधवार की देर रात चोरी की घटना हुई है। इस मामले में मंदिर के मुख्य पुजारी अमित पर्वत ने आज भगवान बाजार थाना प्रभारी को दिये गये आवेदन में कहा है कि गुरुवार की सुबह जब वे मंदिर पहुंचे तो मंदिर के दानपात्र को टूटा हुआ देखा। साथ ही मंदिर का ताला भी टूटा हुआ पाया गया।

ओमान के सुल्तान ने मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान आडर आफ ओमान से सम्मानित किया

मस्कट (एजेंसी) । ओमान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान श्ऑर्डर ऑफ ओमानश से सम्मानित किया है। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने गुरुवार को मस्कट में प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा।श्री मोदी दो दिन की यात्रा पर ओमान गए हुए हैं। इससे पहले श्री मोदी को इथियोपिया ने भी अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा था।श्री मोदी और सुल्तान अल सईद की मौजूदगी में भारत और ओमान ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर भी किए।प्रधानमंत्री ने इस समझौते को भारत–ओमान के साझा भविष्य का ब्लूप्रिंट बताते हुए जोर देकर कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों में नई ऊर्जा आयेगी और परस्पर विकास, नवाचार और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में निहित होती है

संस्कृति से कटते ही राष्ट्र निस्तेज हो जाता है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। जैसे मनुष्य की आत्मा शरीर से अलग हो जाए तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार यदि राष्ट्र को उसकी संस्कृति से अलग कर दिया जाए तो वह भी अपनी ऊर्जा, पहचान और अस्तित्व खो देता है। संस्कृति विहीन राष्ट्र धीरे–धीरे खंडहर में परिवर्तित हो जाता है। मुख्यमंत्री यह विचार गुरुवार को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त कर रहे थे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अवसर केवल एक संस्थान के 100 वर्ष पूर्ण होने का नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक परंपरा, स्वर, लय और कला साधना की उस निरंतर यात्रा का उत्सव है, जिसने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी पहचान को बनाए रखा। भारत की कला और संस्कृति ने समय की चुनौतियों का सामना करते हुए स्वयं को जीवंत रखा और इसी निरंतरता के कारण सनातन संस्कृति आज विश्व पटल पर मजबूती से स्थापित है। उन्होंने कहा कि कलाकार की कला ईश्वरीय गुण है और किसी भी विधा से जुड़े कलाकार का सम्मान और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है।मुख्यमंत्री ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस संस्थान ने पीढ़ी–दर–पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक चेतना, संस्कार, स्वर और लय को एक नई पहचान दी है। पिछले सौ वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक ढांचे से जोड़कर प्रतिष्ठा भी दिलाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में उतना ही महत्वपूर्ण योगदान देता है, जितना कोई अन्य क्षेत्र का कार्यकर्ता। इस दिशा में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय से जुड़े सभी विद्वानों और कलाकारों के योगदान के प्रति उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की और पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे को श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 1940 में गुरुदेव रबिंद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखी गई उस चिट्ठी का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने भातखण्डे संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया था। उन्होंने कहा कि पंडित भातखण्डे की भावनाओं के अनुरूप इस संस्थान को विश्वविद्यालय का स्वरूप मिलना गर्व का विषय है। आजादी के बाद लंबे समय तक यह मांग लंबित रही, लेकिन निरंतर संवाद और प्रयासों के बाद वर्ष 2022 में सरकार ने इसे विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। यह उत्तर प्रदेश का पहला संस्कृति विश्वविद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कुलपति माण्डवी सिंह की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत' की अवधारणा पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि पूरा जगत नाद के अधीन है, और यही जीवन का शाश्वत सत्य भी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। नाद योग के माध्यम से विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति तीनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। संगीत की विभिन्न विधाओं के माध्यम से नाद की अनुभूति और पहचान साधना का विषय है। विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व कलाकारों को सम्मानित किए जाने को उन्होंने भातखण्डे की परंपरा और उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने वाला कदम बताया।

लोकसभा में भारी हंगामें के बीच वीबी-जी-राम-जी विधेयक 2025 पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के बीच विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी–जी राम–जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025 पारित किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा का स्थान लेने वाले वीबी–जी–राम–जी विधेयक पर बुधवार मध्यरात्रि तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से महिला, युवा, गरीबों की जिंदगी बदलने का काम कर बापू के आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया गया है। यह गरीबों की जिंदगी बदलेगा और आदर्श ग्राम की स्थापना करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उनकी पहुंच में होगी। उन्होंने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं। बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं। पूरा देश हमारे लिए एक है। हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है। कांग्रेस ने मनरेगा को पूरी तरह से भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि असल मायने में मनरेगा के फंड का दुरुपयोग किया गया है। दूसरी

तरफ हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक से किसानों और गरीबों का कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि नरेगा को महात्मा गांधी के नाम के साथ शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों से पहले वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने अपने कार्यकाल में इस पर सिर्फ 2.13 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जबकि मोदी सरकार ने 2014 से इस पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने कहा कि पहले इसमें भ्रष्टाचार था लेकिन मोदी सरकार ने इसे भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अपनी मर्जी से योजनाओं के नाम बदल देती है। इस आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों के नाम पर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों की सूची गिना दी और तर्क दिया कि कांग्रेस का राजनीतिक फायदे के लिए नाम जोड़ने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के आदर्शों को धोखा देने का भी आरोप लगाया और कहा कि पार्टी ने भारत के बंटवारे को स्वीकार किया और आजादी के बाद कांग्रेस को भंग करने की गांधी की बात को नजरअंदाज किया। कांग्रेस ने खुद गांधीवादी सिद्धांतों को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के नाम में ही इस योजना का काम लिखा हुआ है। इस योजना में रोजगार की गारंटी दे रहे हैं, आजीविका को समृद्ध कर रहे हैं। इससे वैभवशाली, गौरवशाली भारत का निर्माण हो रहा है।विकसित भारत के लिए विकसित गांव का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह पर नया विधेयक इसलिए लिए लाया गया ताकि राज्यों के बीच फंड का जो बंटवारा असमान्य था उसे ठीक किया जाये। मनरेगा को भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया गया था इसे दुरुस्त करना आवश्यक था। मनरेगा का सही उपयोग हो और पैसे का सही उपयोग हो ,इसलिए इन कमियों को दूर करने का विचार किया गया। 000000

यमुना एक्सप्रेसवे पर अब तक 19 लोगों की हो चुकी है मौत

राज्य सरकार ने जारी किए सख्त दिशानिर्देश

सीपी सिंह ने कहा कि 16 दिसंबर को यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए इस दुखद हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई है। चार शवों की पहचान हो चुकी है और बाकी शवों के डीएनए सैंपल लिए गए हैं। इस हादसे में करीब 90 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और उन्हें घर भेज दिया गया है, जबकि छह लोगों का अभी भी इलाज चल रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी) । मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट सीपी सिंह ने पुष्टि की है कि यमुना एक्सप्रेसवे पर कई वाहनों की टक्कर से हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे अधिकारियों और राज्य सरकार ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। सीपी सिंह ने कहा कि 16 दिसंबर को यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए इस दुखद हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई है। चार शवों की पहचान हो चुकी है और बाकी शवों के डीएनए सैंपल लिए गए हैं। इस हादसे में करीब 90 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और उन्हें घर भेज दिया गया है। अधिकारी ने आगे बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्देश जारी किए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि वाहनों को काफिले में चलना चाहिए। कम दृश्यता होने पर वाहनों को रोक देना चाहिए। राज्य सरकार ने कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। सड़क सुरक्षा ऑडिट किया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के अधिकारियों सहित चार सदस्यीय दल जांच कर रहा है। गति सीमा का ध्यान रखना चालक की जिम्मेदारी है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण वाहन दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिवारों को तत्काल 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया। महोदय पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को सभी घायलों के लिए शीघ्र, उचित और निःशुल्क चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने और हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री कार्यालय ने ग पर एक पोस्ट में लिखा, ष्मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा जिले में हुई सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया है और जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को तत्काल, उचित और निःशुल्क उपचार मिले और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया है कि दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को 2–2 लाख रुपये और घायलों को 50–50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने त्वरित राहत और बचाव कार्यों की आवश्यकता और प्रभावितों की चिकित्सा देखभाल की कड़ी निगरानी पर भी जोर दिया।

स्टैच्यू आफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी) । दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे और वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात में स्थापित की गई है। शिल्पकार के पुत्र अनिल सुतार ने बृहस्पतिवार को प्रेस के साथ साझा किए एक नोट में कहा, ''अत्यंत दुख के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि मेरे पिता श्री राम वनजी सुतार का 17 दिसंबर की मध्यरात्रि को हमारे निवास पर निधन हो गया।'' राम सुतार का जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के धुले जिले के गोंडूर गांव के एक साधारण परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनका झुकाव मूर्तिकला की ओर था। उन्होंने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर से स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। संसद परिसर में स्थापित ध्यान मुद्रा में महात्मा गांधी और घोड़े पर सवार छत्रपति शिवाजी की मूर्तियां उनकी बेहतरीन कृतियों में शामिल हैं। राम सुतार को उनकी कला के लिए 1999 में पद्म श्री और 2016 में श्पद्म भूषणश से सम्मानित किया गया था। हाल ही में उन्हें महाराष्ट्र के सर्वोच्च पुरस्कार महाराष्ट्र भूषण से भी नवाजा गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर बृहस्पतिवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि उनके असाधारण योगदान ने भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "पद्म भूषण से सम्मानित और प्रख्यात मूर्तिकार श्री राम सुतार जी के निधन से व्यथित हूं, जिनके असाधारण योगदान ने भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है।"मुर्मू ने कहा, "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित उनकी स्मारकीय कृतियां भारत की चिरस्थायी विरासत के महान प्रतीक हैं। उनकी कला आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।" उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित अपने आवास पर 100 वर्षीय सुतार ने बुधवार देर रात अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महान मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में लिखा, सुतार जी के निधन से बहुत दुख हुआ। वे एक शानदार मूर्तिकार थे, जिनकी महारत ने भारत को केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से सबसे मशहूर जगहें दीं। उनके कामों को हमेशा भारत के इतिहास, संस्कृति और सामूहिक भावना की दमदार अभिव्यक्ति के तौर पर सराहा जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, मूर्तिकार सुतार ने आने वाली पीढ़ियों के लिए देश के गौरव को अमर कर दिया है। उनके काम कलाकारों और नागरिकों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। उनके परिवार, चाहने वालों और उन सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं, जो उनके शानदार जीवन और काम से प्रभावित हुए।

ममता बनर्जी ने केंद्र पर निशाना साधा

कहा - राज्य में गांधी के नाम पर रखेंगे रोजगार योजना का नाम

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत–जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी द्धभाजपाश्र सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत–जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। बनर्जी ने यहां आयोजित एक व्यापार और उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल ''हमारे राष्ट्रीय महापुरुषों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो वह हम करेंगे।''हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा का नाम नहीं लिया। बनर्जी की ओर से यह घोषणा ऐसे समय आयी जब लोकसभा ने 'विकसित भारत–जी राम जी विधेयक, 2025' पारित कर दिया जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। बनर्जी ने धन धान्य सभागार में आयोजित कारोबारी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे शर्म महसूस होती है कि उन्होंने मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है, क्योंकि मैं भी इसी देश की हूं। अब हम राष्ट्रपिता तक को भूला रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''अब हम अपने राज्य की 'कर्मश्री' योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे।'' 'कर्मश्री' योजना के तहत राज्य सरकार का दावा है ।

कि लाभार्थियों को 75 दिनों तक काम उपलब्ध कराया जाता है, जबकि बनर्जी के अनुसार केंद्र सरकार ने मनरेगा के तहत धनराशि रोक रखी है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में 'कर्मश्री' योजना के तहत कार्यदिवसों की संख्या बढ़ाकर 100 करने का है। उन्होंने कहा, ''हमने 'कर्मश्री' के तहत पहले ही अपने संसाधनों से कई कार्यदिवस सृजित किए हैं। भले ही केंद्र की निधि रोक दी जाए, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं।

बीजेपी शिवसेना की बैठक में हो गया फैसला

150 सीटों के बंटवारे पर बनी सहमति

एशिया के सबसे धनी नगर निकाय, बीएमसी की 227 सीटों पर चुनाव होने हैं, ऐसे में गठबंधन का लक्ष्य विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी शक्ति को मजबूत करना है। यह बैठक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें न केवल संख्या बल पर बल्कि चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

नई दिल्ली18 दिसम्बर (एजेंसी)बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से ठीक पहले एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शीर्ष नेताओं ने गुरुवार (18 दिसंबर) को महत्वपूर्ण वार्ता की और सीट बंटवारे पर एक अहम समझौता किया, जिससे मुंबई के राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ सकता है। एशिया के सबसे धनी नगर निकाय, बीएमसी की 227 सीटों पर चुनाव होने हैं, ऐसे में गठबंधन का लक्ष्य विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी शक्ति को मजबूत करना है। यह बैठक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें न केवल संख्या बल पर बल्कि चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।चर्चा का मुख्य बिंदु सीटों का आवंटन था, जिस पर दोनों दलों ने कुल 227 वार्डों में से 150 वार्डों के बंटवारे पर सहमति जताई। इससे 77 सीटें अभी भी खाली हैं, जिन पर नेताओं ने अगले दो से तीन दिनों के भीतर बातचीत पूरी करके अंतिम समझौते को अंतिम रूप देने का वादा किया है। वार्ता से जुड़े सूत्रों ने सकारात्मक संकेत दिए, जिससे पता चलता है कि गठबंधन धनी बीएमसी में अपनी अधिकतम सीटें जीतने के लिए उन गढ़ों को प्राथमिकता दे रहा है जिन पर जीत हासिल की जा सकती है। बीएमसी का बजट कई भारतीय राज्यों से भी अधिक है।सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शेष 77 सीटों पर संयुक्त रूप से निर्णय लेंगे और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है। गठबंधन स्तर की वार्ता अब अंतिम चरण में पहुंच गई है और सीट बंटवारे के फार्मूले पर गहन विचार–विमर्श लगातार जारी है। राजनीतिक गलियारों में यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में सीट बंटवारे की पूरी योजना अंतिम रूप ले लेगी, जिससे बीएमसी चुनावों में भाजपा–शिवसेना के संयुक्त अभियान का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारतीय रेलवे की पहल, वंदे भारत ट्रेनों में परोसा जा रहा क्षेत्रीय व्यंजन, यात्रियों के अनुभव हो रहा बेहतर

नई दिल्ली18 दिसम्बर (एजेंसी)भारतीय रेलवे ने वंदे भारत ट्रेनों में क्षेत्रीय व्यंजनों की सेवा शुरू की है ताकि यात्रियों को सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक भोजन और प्रामाणिक स्थानीय स्वाद प्रदान करके उनके अनुभव को और बेहतर बनाया जा सके। रेलवे मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस पहल से भारत की विविध पाक विरासत का स्वाद सीधे यात्रियों तक पहुंचता है, जिससे वे अपनी ट्रेन की सीटों पर आराम से बैठकर क्षेत्रीय व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।20101ध्20102 नागपुर–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले यात्री महाराष्ट्र के कंदा पोहा, दक्षिण भारतीय डोन्डकाया करम पोडी फ्राई और आंध्र प्रदेश के आंध्र कोडी कुरा का स्वाद ले सकते हैं। गुजराती स्वाद के रूप में 20901 एमएमसीटी–जीएनसी वंदे भारत एक्सप्रेस में मेथी थेपला और 26902 एसबीआईबी–वीआरएल वंदे भारत एक्सप्रेस में मसाला लौकी परोसी जा रही है। ओडिशा की आलू फुलकोपी 22895 हावड़ा–पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस में उपलब्ध है।

औषधि व अध्यात्म की प्रतिमूर्ति तुलसी

तुलसी एक पवित्र और औषधीय पौधा है और इसका हिन्दू धर्म में विशेष स्थान है। आयुर्वेद में इसे जड़ी–बूटियों की रानी कहा जाता है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीवैक्टीरियल गुण होते हैं जो रोगों को कम करते हैं। सर्दी–खांसी, पाचन, बुखार और तनाव कम करते हैं। तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा भी लेकर आता है जिससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। तुलसी का पौधा पेट की समस्याओं, गैस और भूख न लगने में सहायक है और यह तनाव और चिंता को भी कम करता है। जिन्हें पेट की समस्या है, गैस की समस्या है और भूख नहीं लगती है वे इनकी पत्तियों को उबालकर काढ़ा बनाकर पी लें काफी लाभ होगा। इसके पत्तों से बने मंजन और तेल स्वास्थ्य के लिये अच्छे होते हैं और ये मुंह की दुर्गंध को भी दूर करता है।

तुलसी दो प्रकार की होती है एक श्यामा तुलसी और एक रामा तुलसी। दोनों के ही अपने–अपने फायदे हैं। श्यामा तुलसी घर पर लगाने से सकारात्मकता बढ़ती है और यह किसी भी तरह के बुखार को सही करती है। यदि आपको बुखार है तो इसकी चटनी बनाकर ले सकते हैं। बच्चों के लिये इसका अच्छा उपयोग है। बच्चों के पेट में कीड़े हो जाते हैं तो इसका काढ़ा बहुत फायदेमंद होता है। तुलसी का पौधा पूरे विश्व में पाया जाता है लेकिन इसका विशेष महत्व हमारे भारत में ही होता है। तुलसी एक बुस्टर होती है। तुलसी का उपयोग मधुमेह के लोगों के लिये भी बहुत लाभकारी है साथ ही यह किडनी के स्टोन में भी फायदेमंद होता है। तुलसी केवल एक पौधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और आध्यामिकता का खजाना है जिसे घर में रखना शुभ और लाभदायक माना जाता है।

तुलसी का पौधा धार्मिक, आध्यात्मिक रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसे हिन्दू धर्म में पवित्र माना जाता है। तुलसी को मां लक्ष्मी का रूप और भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है और इसके घर पर रहने से धन–संपदा आती है और सुख–शांति रहती है। जहां तुलसी होती है, वहां देवताओं का वास होता है इनके पत्ते भगवान को प्रिय होते हैं और इनकी माला भी भगवान को चढ़ाई जाती है। हमारे हिन्दू धर्म में तुलसी लगाने के कुछ नियम भी होते हैं जैसे कि इसे पूर्व और उत्तर पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है। इसे गमले में लगाना चाहिए। सीधे जमीन पर इसे नहीं लगाया जाता है। रविवार और एकादशी के दिन तुलसी का सेवन नहीं करना चाहिए। भारत में हिन्दू धर्म के अनुयायी तुलसी पूजन दिवस 25 दिसंबर को मनाते है। यह दिवस पहली बार 25 दिसंबर 2014 को आसाराम बापू के मार्गदर्शन में मनाया गया था और तब से यह एक विश्वयापी उत्सव बन गया है। इस दिन तुलसी माता की विशेष आराधना करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं ओर जीवन में सुख, शांति और शुभता बढ़ती है साथ ही इस दिन पूजा करने से धन, समृद्धि और सौभाग्य मिलता है। तुलसी दिवस में सभी भक्त इस दिन सुबह उठकर स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनकर घर में या किसी मंदिर में तुलसी जी की पूजा करते हैं। तुलसी माता को जल चढ़ाते हैं और कुमकुम लगाते हैं। तुलसी जी को 16 श्रृंगार करते हैं। लाल चुनरी, फूल, फल, दीप, मिठाई और श्रृंगार अर्पित करते हैं। विष्णु तुलसी मंत्रों का जप करते हैं और आरती करते हैं। इसके बाद पूजा में कोई भूल हो गयी हो तो क्षमा याचना की जाती है।

तुलसी की शादी जिसे तुलसी विवाह करते हैं कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष (देवत्थानी एकादशी) या द्वादशी तिथि को भगवान शालिग्राम (विष्णु का स्वरूप) के साथ पारंपरिक हिंदू विवाह समारोह में होती है। यह अन्य कन्यादान के समान पुण्यदायी माना जाता है जिसमें तुलसी जी का विवाह किया जाता है और उन्हें दुल्हन की तरह सजाया जाता है। 16 श्रृंगार किया जाता है जैसे चुनरी, चूड़ी, मेंहदी, सिंदूर आदि। विष्णु जी को वस्त्र चढ़ाये जाते हैं और फिर भगवान विष्णु जी के साथ इनका विवाह किया जाता है। विभिन्न प्रकार के फल, मिठाई और ऋतु फल का भोग लगाया जाता है। हम सभी सनातनी धर्म के लोगों को यह तुलसी दिवस मनाना चाहिये और समाज में सकारात्मकता फैलानी चाहिए।

मान्यता है कि तुलसी विवाह करने से घर में सुख, शांति और बैकुंठ का आशीर्वाद मिलता है। भगवान विष्णु ने तुलसी को वरदान दिया था कि जहां उसका वास होगा, वहां यम के दूत प्रवेश नहीं करेंगे। इस दिन तुलसी माता और भगवान शालिग्राम की विधिवत पूजा की जाती है। तुलसी विवाह की पूर्णता के लिए व्रत कथा का पाठ करना जरूरी माना जाता है। यह कथा श्रद्धा से सुनने और पढ़ने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

जालंधर नाम का एक शक्तिशाली दैत्य, जो भगवान शिव के तेज से समुद्र में जन्मा था, उसकी पत्नी वृंदा एक अत्यंत पतिव्रता स्त्री थीं। लेकिन, जालंधर अपनी शक्ति और अहंकार में चूर होकर देवी लक्ष्मी को पाने की इच्छा से युद्ध करने लगा, समुद्र से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी ने उसे भाई मान लिया। फिर जालंधर हारकर देवी पार्वती को पाने के लिए कैलाश पर्वत जा पहुंचा। वह भगवान शिव का रूप धारण कर पार्वती के पास गया, लेकिन माता पार्वती ने उसे पहचान लिया और अंतर्ध्यान हो गईं। क्रोधित होकर माता पार्वती ने यह बात भगवान विष्णु को बताई। उधर जालंधर को कोई पराजित नहीं कर पा रहा था क्योंकि उसकी पत्नी वृंदा के पतिव्रता धर्म की शक्ति उसे अजेय बना रही थी। ऐसे में भगवान विष्णु ने ऋषि का रूप धारण किया और वृंदा के पास प्रकट हुए। वृंदा ने ऋषि से अपने पति जालंधर के बारे में पूछा। ऋषि ने माया से दो वानर प्रकट किए, एक के हाथ में जालंधर का सिर और दूसरे के हाथ में धड़ था। यह देखकर वृंदा मूर्छित हो गईं। होश में आने पर उन्होंने ऋषि से अपने पति को जीवित करने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने माया से सिर और धड़ जोड़ दिए और स्वयं उस शरीर में प्रवेश कर गए। वृंदा को यह छल समझ नहीं आया और उन्होंने जालंधर समझकर पत्नी धर्म निभाया। इससे उनका सतीत्व भंग हो गया और उसी क्षण जालंधर युद्ध में मारा गया। जब वृंदा को इस छल का पता चला, तो उन्होंने भगवान विष्णु को पत्थर बनने का श्राप दे दिया।

सम्पादकीय

नाभिकीय ऊर्जा मिशन

विकासित भारत को साकार करने के लिए बड़े पैमाने पर नाभिकीय ऊर्जा का तेजी से इस्तेमाल जरूरी हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा लंबे समय तक चलने वाली ऊर्जा और जलवायु सुरक्षा का भी वादा करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग की लगातार और आत्मनिर्भर बनने कोशिशों की वजह से, भारत एक आत्मनिर्भर, जिम्मेदार देश के तौर पर उभरा है, जिसके पास प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकी है, भले ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हम पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हों। देश अब नाभिकीय ऊर्जा मिशन के साल 2047 तक 100 जीडब्ल्यू बिजली बनाने की क्षमता तक पहुँचने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी के मामले में तैयार है। हालाँकि यह बहुत महत्वांकांक्षी लग सकता है, लेकिन हमारे पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, पॉलिसी की पहल और काम, खासकर कानूनी कदम जो अभिप्रेत हैं उनसे चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। स्वच्छ ऊर्जा हासिल करने और जलवायु खतरे से निपटने के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा मिशन में अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा देने की क्षमता है क्योंकि पूरी वैल्यू चेन देश के अंदर होगी। इससे मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, कमीशनिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस, क्वालिटी एश्योरेंस, सेफ्टी और आस–पड़ोस के लोगों से जुड़ाव जैसी सभी गतिविधियों में सभी स्तर पर नौकरियाँ पैदा होंगी। प्रशिक्षित और योग्य मानव संसाधन के मामले में भी चुनौतियां हैं। हालांकि हम इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं लेकिन प्रोग्राम की निरंतरता पर उद्योग का भरोसा एक अनिवार्य शर्त होगी।

आगे क्या चुनौतियां हैं? उनमें से सबसे जरूरी है समय लक्ष्य के हिसाब से बड़े पैमाने पर तेजी से परिनियोजन करना। सिर्फ दो दशकों में 90 जीडब्ल्यू से ज़्यादा या लगभग 200 रिएक्टर जोड़े जाने हैं। स्पष्ट है कि एनपीसीआईएल, एनटीपीसी और भाविनी के अलावा कई इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों की जरूरत है, जो फ्लीट मोड में रिएक्टर प्लांट के मानक डिजाइन वाली परियोजना शुरू करें। हालांकि हमें अपनी राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा नीति के आधार पर प्रौद्योगिकी के साथ प्रोग्राम को परिनियोजित करना चाहिए । पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी स्पष्ट रूप से एक सिद्ध और किफायती प्रतिस्पर्धी स्वदेशी प्रौद्योगिकी है जो तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। इसलिए एनपीसीआईएल को अपने प्रोग्राम को कार्यान्वित करते समय पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी में दूसरी प्राधिकरणों को रचनात्मक रूप अपने से जोड़ते हुए उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। दूसरी परिपक्व प्रौद्योगिकी को भी एक अतिरिक्त संभावना के तौर पर माना जा सकता है, बशर्ते वे किफायती और संरक्षा मानकों को पूरा करें।

निवेश का भी एक जरूरी मुद्दा है, जो अकेले नाभिकीय ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ के ऑर्डर का होगा। ईंधन चक्र अवसंरचना के लिए निवेश इसके अलावा होगा। इसलिए निजी क्षेत्र से वित्तपोषण बहुत जरूरी है। जबकि नाभिकीय क्षेत्र का आर्थिक पक्ष अच्छा है, दूसरी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के बराबर नीति सहयोग अनिवार्य होगा।

निर्धारित क्षमता के लिए नाभिकीय ईंधन हासिल करना अगली बड़ी चुनौती है। जबकि वैश्विक यूरेनियम स्रोत काफी हैं, नाभिकीय ऊर्जा विस्तार के कारण यूरेनियम की बढ़ती मांग और यूरेनियम आपूर्ति पर रुकावटों से अंतरिम आपूर्ति में कमी और मूल्य में वृद्धि होगी। नाभिकीय बाजार से जुड़ी जटिल भू–राजनीति को देखते हुए यह एक बड़ी ईंधन आपूर्ति सुरक्षा चुनौती बन सकती है। इसलिए अपने बड़े थोरियम भंडारों के साथ भारत को जल्द से जल्द थोरियम पर स्विच कर लेना चाहिए और ऊर्जा सुरक्षित बनना चाहिए। इसके लिए हमारे थोरियम आधारित नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के विकास में तेजी लाने की जरूरत है। थोरियम का इस्तेमाल और यूरेनियम से बहुत ज़्यादा एनर्जी वैल्यू पाना, जो किसी भी तरह से आज के समय की जरूरत बन जाएगी, इसमें नाभिकीय ऊर्जा का पुनर्संसाधन और पुनर्चक्रण करना जरूरी होगा। इस तरह संवृत नाभिकीय ईंधन चक्र में हमारी काबिलियत एक सुरक्षित और अनवरत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और भरोसेमंद दीर्घकालिक नाभिकीय अपशिष्ट प्रबंधन में काम आएगी। हालांकि, यह एक संवेदनशील व नाभिकीय प्रौद्योगिकी है और इसका शासन और नियंत्रण सरकार के पास ही रहना चाहिए। अमेरिका सहित ज़्यादातर देश इस्तेमाल किए गए नाभिकीय ईंधन के स्थाई निपटान का मुद्दा नहीं सुलझा पाए हैं। निजी नाभिकीय प्रतिष्ठान और सरकारी नाभिकीय पुनर्चक्रण ऊद्योग के बीच ईंधन प्रबंधन इंटरफेस को कानून में ठीक से शामिल करने की जरूरत है।

मुझे लगता है कि दुनिया भर में नाभिकीय ऊर्जा को ज़्यादा बढ़ावा देने के कारण, नाभिकीय पुनर्चक्रण पर ज़्यादा जोर देना जरूरी होगा। इस तरह, फ्रंट एंड की तुलना में बैकएंड ईंधन चक्र, उतना ही बड़ा या उससे भी बड़ा उद्योग बन जाएगा। थोरियम, जो प्रसार प्रतिरोध उपलब्ध कराता है, इस मामले में और भी ज़्यादा जरूरी हो जाता है।हमें यह मानना होगा कि हमारे पीएचडब्ल्यूआर सिस्टम सबसे ज़्यादा लचीले हैं और कई तरह के ईंधन च्रक को सरल बनाने के लिए सबसे सही हैं,

आस्ट्रेलिया में बढ़ता कट्टरपंथ

भारत के पहलगाम की तर्ज पर आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर 14 दिसम्बर को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बोंडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी।

अच्छी बात यह कि एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा घायल हुआ। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप–बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ–साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा है।

पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र–तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं। यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है। इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुक्का त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी–खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच–पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये नियम–कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है। यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच से अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है?

पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों को चाहिए कि वे वास्तविकता को स्वीकार करें। देश सुरक्षित होगा तो लोकतंत्र सुरक्षित होगा, लोगों के अधिकार सुरक्षित होंगे। वे अपनी सरकार पर दबाव डालें कि कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान जैसे देशों, जहां कट्टरपंथ जड़ जमा चुका है, के नागरिकों को वीजा और नागरिकता देने में बहुत सावधानी बरतें। लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों को गंभीरता से लें। जो व्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में रहकर उसके कानून का सम्मान नहीं करता, संस्कृति की खिल्ली उड़ाता है, हर कहीं अपनी मर्जी चलाता है, उसे स्वदेश भेजने का इंतजाम करें। ऑस्ट्रेलिया के पास मौका है कि वह अपनी पुरानी गलतियों को सुधारे। अति–उदारवाद दिखाने की कोशिश में यूरोप के कई देशों ने मुसीबत मोल ले रखी है। अब उन्हें पछतावा हो रहा है, लेकिन वहां कानून ऐसे हैं कि सरकारें कुछ खास कर नहीं सकतीं। वोटबैंक की राजनीति भी एक बड़ी समस्या है।भारत ने भी पूर्ववर्ती कथित सेकुलरिज्म की झंडाबरदार सियासती दलों की गलत नीतियों के कारण लम्बे समय तक कट्टरपंथी आतंकवाद को झेला है। काश्मीर में जिस तरह एक ही रात में कट्टरपंथी मजहबी ताकतों ने मस्जिदों से एलान कर हिन्दूओं को पलायन के लिए मजबूर किया, वह इसी कथित सेकुलर उदार सोच का घातक नतीजा था। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता है। यह स्थिति भविष्य में अप्रिय मोड़ ले सकती है। आस्ट्रेलिया समेत तमाम यूरोपीय देशों में जिस तरह एक कट्टरपंथी समुदाय के लोगों द्वारा इन देशों की उदारवादी नीतियों का फायदा उठाकर पैर जमाने की सुनियोजित साजिश पर काम किया जा रहा है, वह इन तमाम देशों पर भविष्य में खतरे की घंटी बजा रही है पिछले दिनों फ्रांस ने भी कट्टरपंथी आगजनी को झेला है। दुनिया को अपनी सोच और नीतियों की समीक्षा करनी होगी ताकि कट्टरपंथी मजहबी ताकतें उनकी डैमोग्राफी को बदलने और कट्टरपंथी सोच को थोपने के षडयंत्र में नाकाम हों।

वीआईपी दर्शन पर सुप्रीम आदेश, निर्णय केंद्र करे

अशोक मधुप ।

ये एक जगह नही है, श्रद्धालु को इस समस्या से अधिकांश जगह रूबरू होना पड़ता है। जगहदृजगह मंदिरों में इस समस्या का सामना होता है। लगभग 40 साल पहले हम कोलकत्ता गए। कालिका जी मंदिर में हम श्रद्धालुओं की लाइन में लगे थे कि हमारे एक साथी ने देखा और हमें इशारा कर अपने पास बुला लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मंदिरों में श्वीआईपी दर्शनश सुविधा को चुनौती देने वाली याचिका भले ही खारिज कर दी, किंतु इस याचिका पर कोर्ट द्वारा कही गई बातों की गूंज दूर तक जाएगी। यह गूंज केंद्र सरकार को विवश करेगी कि वह मंदिरों में हाने वाले वीवीआईपी दर्शन पर रोक लगाने वाला निर्णय लें। कोर्ट की ये गूंज आने वाले समय में मंदिरों के वीवीआईपी दर्शन कर रोक लगाने का रास्ता प्रशस्त करेगी।

पूर्व मख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है। यह याचिका मंदिरों की तरफ से वसूले जाने वाले वीआईपी दर्शन शुल्क को समाप्त करने की मांग कर रही थी। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, श्हालांकि हमारी राय है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने का उपयुक्त मामला है।श यह आदेश में दर्ज किया गया लेकिन मामला सरकार के विचार के लिए छोड़ दिया गया। पूर्व ब्श्रप् खन्ना ने कहा कि यह मामला कानून–व्यवस्था का प्रतीत होता है और याचिका इस पहलू पर होनी चाहिए थी। बेंच ने कहा, श्हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका खारिज होने से संबंधित अधिकारियों को जरूरत के हिसाब से कार्रवाई करने से नहीं रोका जाएगा।

इसे भी पढ़ेंरू श्रंद ळंद डंदरू ीपदप न्चंकीलंल की नई च्स्ङ नैप्ट मामले को दिया नया मोड़, अब हर घुसपैठिये की मुश्किल बढ़ेगी!

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, श्आज 12 ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ इस प्रैक्टिस को फॉलो करते हैं। ये मनमाना और भेदभाव वाला है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने भी आंध्र प्रदेश से इसकी समीक्षा करने को कहा है। चूंकि, भारत में 60 प्रतिशत पर्यटन धार्मिक है, इसलिए ये भगदड़ की प्रमुख वजह भी है।श सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका विजय किशोर गोस्वामी ने डाली थी। उन्होंने मंदिरों में अतिरिक्त शुल्क लेकर श्वीआईपी दर्शनश के चलन को आर्टिकल 14 के तहत समानता के अधिकार और आर्टिकल 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया। उन्होंने दलील दी कि जो लोग इस तरह का शुल्क अदा करने में असमर्थ हैं, ये उनके खिलाफ भेदभाव है। याचिका में जोर देकर कहा गया था कि कई मंदिर 400 से 500 रुपये में लोगों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था करते हैं। इससे आम श्रद्धालु और खासकर महिलाएं, स्पेशली एबल्ड लोग और सीनियर सिटिजंस को दर्शन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मामला देश भर के मंदिरों में आम लोगों और वीआईपी के बीच भेदभाव के मुद्दे को उठाता है। वीआईपी दर्शन की सुविधा से आम लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है, जबकि वीआईपी आसानी से दर्शन कर लेते हैं।

ये एक जगह नही है, श्रद्धालु को इस समस्या से अधिकांश जगह रूबरू होना पड़ता है। जगहदृजगह मंदिरों में इस समस्या का सामना होता है। लगभग 40 साल पहले हम कोलकाता गए। कालिका जी मंदिर में हम श्रद्धालुओं की लाइन में लगे थे कि हमारे एक साथी ने देखा और हमें इशारा कर अपने पास बुला लिया। यहां पुजारी पांच रूपया प्रति व्यक्ति लेकर सीधे दर्शन करा रहे थे। अभी वेट द्वारिका जाना हुआ। हम परिवार के छह सदस्य थे। एक पंडित जी ने हमसे पांच सौ रूपये लिए। अलग लाइन से हमें आराम से दर्शन कराए। भीड़भाड़ भी बची। वैसे दर्शन में दो से तीन घंटे लगते पांच सौ रूपये में आधा घंटा में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ गए। करीब दस साल पहले हम गुजरात में अम्बा जी गए थे। दर्शन की लाइन में लगे थे कि कर्मचारियों ने यह कह कर हमके रोक दिया कि दर्शन का समय समाप्त हो गया, जबकि कुछ अन्य को लगातार प्रदेश दिया जा रहा। किसी तरह हम अन्यों वाली पंक्ति में शामिल हुए। तब दर्शन हुए। दर्शन भी बड़े आराम से हुए। काफी समय हम मंदिर में रूके, जबकि ऐसा पहले संभव नही था। इस तरह का भेदभाव हमें कई जगह देखने को मिला। उज्जैन में तो आप पंडित को पांच सौ के आसपास रूपये दीजिए। वह मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर पूजन अर्चन कराते हैं। जो ये रकम नही देते वे गर्भगृह के बाहर ही दूर से दर्शन कर तृप्त हो जाते हैं। ओंकारेश्वर में तो पंडित जी पूजा भी आराम से और श्रद्धालुओं की पंक्ति से अलग लेकर कराते हैं। मथुरा जी के बांके बिहारी मंदिर में सुप्रीम आदेश से यह व्यवस्था रूकी है, अन्यथा लगभग सभी मंदिरों की हालत ऐसी ही है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका तो खारिज कर दी, किंतु इस वीआईपी दर्शन पर रोक वाली गेंद केंद्र सरकार के पाले में यह कह कर डाल दी। बेंच ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है।

इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है।सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश अब केंद्र सरकार को विवश करेगा कि मंदिरों में आम आदमी के साथ हो रहे भेदभाव को रोके और बांके बिहारी मंदिर की तरह पैसा लेकर कराए जा रहे वीआईपी दर्शन की व्यवस्था खत्म करे। व्यवस्था अयोध्या जी के श्रीराम मंदिर जैसी हो, जहां श्रद्धालु बिना भेदभाव आराम से 25.30 मिनट में दर्शन कर बाहर आ सके।

आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला

आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बोंडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। गनीमत यह रही कि आतंकियों का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप–बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ–साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविक तौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र–तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इस हमले के बाद फिलीस्तीन में किए जा रहे अपने आक्रमण को न्यायोचित ठहराने का मौका मिल गया है। हालांकि नेतन्याहू इस तथ्य को अनदेखा कर रहे हैं कि गजा में मासूमों की जान लेने की कीमत दुनिया भर में उन यहूदियों को चुकानी पड़ रही है, जो शांति से अपना जीवन गुजार रहे हैं। दुनिया के कई देशों में यहूदियों और मुस्लिमों के बीच संदेह बढ़ने का माहौल बन रहा है। लेकिन ये संदेह इस तरह आतंकी हमले की शक्ल में मासूमों की जान लेगा, यह अनुमान नहीं था। नेतन्याहू ने इस हमले पर अब ऑस्ट्रेलिया की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीतियां श्यहूदी–विरोधी आग में घी डालनेश का काम कर रही हैं। नेतन्याहू ने कहा, श्यहूदी–विरोध एक कैंसर है, जो तब फैलता है जब नेता चुप रहते हैं। कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था कि उनकी नीति, यहूदी–विरोधी आग में घी डालती है, यह आपकी सड़कों पर यहूदियों के प्रति नफरत को बढ़ावा देती है। यहूदी–विरोधियों के खिलाफ मौजूदा कमजोर रुख के बजाय उनसे ताकत से निपटना होगा। आज ऑस्ट्रेलिया में ऐसा नहीं हुआ। इसी तरह इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग ने इस हमले को श्क्रूरश बताते हुए कहा, श्हमने बार–बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार से कार्रवाई करने और ऑस्ट्रेलियाई समाज को जकड़ रही यहूदी–विरोधी भावना की लहर से लड़ने की अपील की है।श बता दें कि बीते एक साल में ऑस्ट्रेलिया में 1,600 से ज़्यादा यहूदी–विरोधी घटनाएं दर्ज की गईं । जिनमें दर्जनों हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं, और सैकड़ों अन्य अपमानजनक या धमकी भरे मामले शामिल हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने विरोध की इस बढ़ती प्रवृत्ति पर गौर किया होता तो शायद कई मासूम जानें बच सकती थीं।

सपा महिला नेताओं का नीतीश कुमार-संजय निषाद के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस से हुई नोकझोंक

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में हजरतगंज चौराहे पर सपा महिला नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनका इस्तीफा मांगा। प्रदर्शनकारियों ने दोनों नेताओं पर महिलाओं के अपमान और महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल सपा नेता समयून खान और ममता चौधरी के साथ प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और नेताओं के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का–मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। समयून खान ने कहा कि मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया बयान महिलाओं का सीधा अपमान है। जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक महिला का नहीं बल्कि पूरे समाज का अपमान है। ऐसे लोग अगर मंत्री पद पर होंगे तो महिलाओं को न्याय और सम्मान कैसे मिलेगा। संजय निषाद का बयान सभ्य समाज पर धब्बा है। जिस कृत्य कि निंदा करना चाहिए था उसको समर्थन देकर महिला अपराध और महिलाओं के प्रति सामजिक नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर महिला सम्मान के साथ खिलवाड़ का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकत से समाज में महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता उजागर होती है। महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक संजय निषाद और नीतीश कुमार इस्तिका देकर माफी नहीं मांगते, तब तक विरोध जारी रहेगा। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की बात करने वाली सरकार के लोगों के चेहरे से नकाब हट गया।

महिला उद्यमियों के लिए टेक्नोलाजी आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम,जुटीं आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को राज्य आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आजीविका मिशन से जुड़ी महिला उद्यमियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान महिलाओं को उद्यम विकास, तकनीकी नवाचार और उत्पादन बढ़ाने से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद महिला उद्यमियों ने अपने–अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिलाओं ने उत्पादन, विपणन और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ी अपनी चुनौतियां भी सामने रखीं। डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सीईओ ने बताया कि उनकी संस्था प्रदेश के 10 जिलों में गवर्नमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और राज्य आजीविका मिशन के सहयोग से 'हाईजैक' कार्यक्रम के तहत काम कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आधुनिक तकनीक के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता दोनों को बढ़ा सकें। आयोजकों की माने तो, इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को तकनीकी जानकारी के साथ–साथ बाजार की समझ भी प्रदान करते हैं।

नगर निगम के लाइसेंस शुल्क फैसले के खिलाफ लखनऊ व्यापार मंडल का तीखा विरोध, आंदोलन और दुकान बंदी की चेतावनी

लखनऊ(संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं विभिन्न ट्रेडों को लाइसेंस शुल्क के दायरे में लाने के निर्णय के खिलाफ लखनऊ व्यापार मंडल ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे व्यापारी विरोधी और जनविरोधी कदम बताया है। इसी मुद्दे को लेकर लखनऊ व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक दरोगा खेड़ा स्थित रेस्टोरेंट, राजाजीपुरम में आयोजित की गई, जिसमें आज अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के संदर्भ में नगर निगम के प्रस्ताव पर गहन चर्चा हुई।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नगर निगम लखनऊ द्वारा एक बार फिर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर मनमानी ढंग से शुल्क बढ़ाने और अन्य तमाम ट्रेडों को लाइसेंस शुल्क के दायरे में लाने की साजिश की जा रही है। व्यापार मंडल ने इसे वही तुगलकी फरमान करार दिया, जिसे पिछले वर्ष व्यापारियों के ऐतिहासिक विरोध के बाद सांसद राजनाथ सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के हस्तक्षेप से वापस लेना पड़ा था। इसके बावजूद नगर निगम द्वारा पुनः वही एजेंडा सामने लाना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि व्यापारी समाज की अनदेखी और अपमान भी है।लखनऊ व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि यदि यह प्रस्ताव तत्काल प्रभाव से वापस नहीं लिया गया, तो संपूर्ण लखनऊ में दुकानों को बंद कर सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा और सामूहिक गिरफ्तारी दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्थिति की पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि शहर के बाजारों की मौजूदा हालत बेहद दयनीय है। न सीवर की समुचित व्यवस्था है, न पीने के पानी की, न साफ–सफाई और न ही पार्किंग की कोई ठोस सुविधा उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में व्यापारियों से लाइसेंस शुल्क के नाम पर वसूली करना सीधा–सीधा लूट और इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा देना है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।बैठक में यह भी कहा गया कि यदि सरकार और नगर

निगम इसी तरह व्यापारियों पर बोझ डालते रहेंगे, तो इससे अच्छा है कि सरकार सभी दुकानों की चाबी लेकर स्वयं ही उनका संचालन कर ले। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि वर्षों से ई–कॉमर्स नीति बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम आज तक शहर में व्यवस्थित बेडिंग जोन तक नहीं बना सका है।महामंत्री उमेश शर्मा ने कहा कि नगर निगम द्वारा लगातार जारी किए जा रहे तुगलकी फरमान व्यापारी समाज के धैर्य की अंतिम सीमा को तोड़ रहे हैं। यदि यह अन्याय नहीं रुका, तो व्यापारी अपनी दुकानों के शटर गिराकर सड़कों पर बैठेंगे और गिरफ्तारी देंगे। पश्चिम विधानसभा महामंत्री सुशील तिवारी ने कहा कि सरकार और नगर निगम के लगातार आदेशों से व्यापारी का व्यापार चौपट हो चुका है। महंगाई, ऑनलाइन कंपनियों की प्रतिस्पर्धा और प्रशासनिक दबाव से पहले ही परेशान व्यापारी अब और चुप नहीं बैठेगा और किसी भी सूरत में ऐसे आदेशों को स्वीकार नहीं करेगा।बैठक के अंत में लखनऊ व्यापार मंडल ने एक स्वर में स्पष्ट किया कि यह केवल चेतावनी नहीं, बल्कि अंतिम एलान है। यदि नगर निगम ने शीघ्र ही अपना फैसला वापस नहीं लिया, तो व्यापक आंदोलन, नगर निगम का घेराव और अनिश्चितकालीन दुकान बंदी की जाएगी।इस विरोध प्रदर्शन में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, महामंत्री उमेश शर्मा, अनुराग मिश्र, विधानसभा महामंत्री सुशील तिवारी, रामशंकर राजपूत, सौरभ शर्मा, अरुण निगोतिया, बबलू गुप्ता, गोपाल गुप्ता, राधे राधे, पिंटू गुप्ता, लल्लन यादव, राजकुमार, गंगा प्रसाद, गुलशन सचदेवा, अनूप द्विवेदी, दीपक सहगल, दीपू यादव, अमित मिश्रा, सुधीर अवस्थी, राजेश कश्यप, राजेश गुप्ता, ओमी प्रजापति सहित सैकड़ों व्यापारियों ने एकजुट होकर नगर निगम के फैसले का विरोध दर्ज कराया।

शहीदपथ पर धू-धूकर जलने लगी कार,दो सवार उतरकर भागे

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में शहीदपथ पर एक कार धू–धूकर जलने लगी। उसमें दो लोग सवार थे। जैसे ही बोनट से धुआं निकलने लगा वे दोनों तुरंत उतरकर भागे। दमकल को इसकी सूचना दी लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंची तब तक कार का केवल फ्रेम बचा था। 20 मिनट में पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग बुझाई। घटना गुरुवार दोपहर हुई। तेलीबाग के खुर्रम आसिफ अपने ड्राइवर कलीम के साथ साउथ सिटी जा रहे थे। वह जैसे ही शहीदपथ के नीचे सर्विस लेन पर सेक्टर–जे के पास पहुंचे कार के बोनट से धुआं निकलता दिखा। कार रोककर दोनों लोग जल्दी से उतरे और विस्फोट होने के डर से दूर भाग गए। कार मालिक खुर्रम का प्रॉपर्टी डीलिंग का काम है और तेलीबाग में एक पेट्रोल पंप है।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट,महिलाओं से की अभद्रता

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की। महिलाओं से छेड़छाड़ करने के साथ ही जानलेवा हमला किया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित ने इस मामले में थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार निवासी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि उनके मोहल्ले में विजय द्विवेदी, अंकुर द्विवेदी, बृजेश द्विवेदी और विक्की द्विवेदी घर बनवा रहें है। गुरुवार सुबह निर्माण सामग्री से लदा एक ट्रक संकरी सड़क से गुजर रहा था। इस दौरान सत्येंद्र की वृद्ध मां ने ट्रक चालक से सड़क संकरी होने के कारण सावधानी से ट्रक निकालने को कहा, जिस पर चालक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद मकान बनवाने वाले चारों लोग मौके पर पहुंचे और गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

जानकीपुरम में बंद घरों की चोरी का खुलासा तीन शातिर चोर गिरफ्तार, पीली धातु और नकदी बरामद

लखनऊ,(संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना जानकीपुरम पुलिस ने बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गई टंच पीली धातु और 3,970 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई को क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर बड़ी सफलता माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार 17 दिसंबर 2025 को जानकीपुरम थाना क्षेत्र के खलार टोला मड़ियांव गांव निवासी नाजरीन बानों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनके घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस शिकायत पर थाना जानकीपुरम में मुकदमा संख्या 295⁄25 धारा 305 ए बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और विवेचना उप निरीक्षक सौरव कुमार को सौंपी गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चोरी की घटना के अनावरण और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की। इसके साथ ही मैनुअल इनपुट और मुखबिर खास की सूचना को आधार बनाते हुए कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।पुलिस को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर 18 दिसंबर 2025 को अकांक्षा तिराहा के पास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में समर्थ शर्मा उर्फ वरुण, उम्र 23 वर्ष, निवासी मौर्या टोला मड़ियांव गांव थाना जानकीपुरम, मूल निवासी ग्राम भटनी दादन थाना भटनी जनपद देवरिया, शुभम उर्फ अमन सोनी, उम्र 23 वर्ष, निवासी मौर्या टोला मड़ियांव गांव थाना जानकीपुरम, मूल निवासी लालगंज वैश्वारा थाना लालगंज जनपद रायबरेली तथा मोहम्मद साजिद मिर्जा, उम्र 55 वर्ष, निवासी कटरा वफा बेग चौपटिया थाना सहादतगंज लखनऊ शामिल हैं। पूछताछ और साक्ष्य संकलन के बाद मुकदमे में धारा 331(4), 317(2) और 317(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त समर्थ शर्मा उर्फ वरुण के विरुद्ध पूर्व में भी थाना पारा लखनऊ में चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। वहीं शुभम उर्फ अमन सोनी का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है और उसके खिलाफ लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे लखनऊ के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। अन्य थानों और जनपदों से भी अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गई एक अदद टंच पीली धातु और कुल 3,970 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक विकास सिंह, चन्द्रभान गिरि, सौरव कुमार, मुकुल आनंद और हेड कांस्टेबल दुर्गविजय सिंह शामिल रहे।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने स्पष्ट किया है कि शहर में चोरी और अन्य अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

अपना दल (एस) की मंडलवार संगठन समीक्षा शुरू, 21 से 24 दिसंबर तक आठ मंडलों में होगी अहम बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देश और परामर्श के बाद पार्टी ने उत्तर प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से मंडलवार समीक्षा बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। इन बैठकों के माध्यम से पार्टी आगामी 2026 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर तक संगठन की मजबूती का आकलन करेगी और आवश्यक रणनीति को अंतिम रूप देगी।मंडलवार समीक्षा बैठकों में वर्तमान जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष तथा संबंधित मंडल में निवास करने वाले सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इन बैठकों में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल स्वयं उपस्थित रहकर पदाधिकारियों से सीधा संवाद करेंगे और संगठन की स्थिति, चुनौतियों तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करेंगे।पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि इन समीक्षा बैठकों का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश की सभी विधानसभाओं में पार्टी संगठन की तैयारी का गहन मूल्यांकन करना है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष, जोन अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष स्तर तक किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। जहां संगठन कमजोर या निष्क्रिय पाया जाएगा, वहां उसे सक्रिय करने और संगठन को मजबूती देने के लिए ठोस निर्णय लिए जाएंगे, ताकि पंचायत चुनाव में पार्टी की भागीदारी प्रभावी और निर्णायक हो सके।प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अपना दल (एस) पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरे और पार्टी प्रत्याशियों की शतप्रतिशत जीत सुनिश्चित करने की रणनीति के साथ पदाधिकारियों को तैयार किया जाए। इसके लिए संगठनात्मक ढांचे को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।मंडलवार समीक्षा के क्रम में प्रथम चरण में प्रदेश के आठ मंडलों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इस चरण में संबंधित मंडलों के सभी जिलों के पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। प्रथम चरण की शुरुआत 21 दिसंबर से होगी। 21 दिसंबर को आजमगढ़ और बस्ती मंडल, 22 दिसंबर को लखनऊ और वाराणसी मंडल, 23 दिसंबर को अयोध्या और देवीपाटन मंडल तथा 24 दिसंबर को कानपुर और चित्रकूट मंडल के सभी जिलों के पार्टी पदाधिकारी इन बैठकों में शामिल होंगे।पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस व्यापक संगठनात्मक समीक्षा से न केवल पार्टी की मौजूदा स्थिति स्पष्ट होगी, बल्कि आगामी चुनावों के लिए एक मजबूत, सक्रिय और अनुशासित संगठन खड़ा करने में भी मदद मिलेगी।

एसआईआर के बहाने समाजवादियों का वोट काटने की साजिश भाजपा और अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं मुख्यमंत्री:अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री एसआईआर के नाम पर समाजवादी पार्टी का वोट काटने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जहां–जहां जा रहे हैं, वहां अधिकारियों के कान में कह रहे हैं कि कमी निकालिए और समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों का वोट काटिए। यह लोकतंत्र और मताधिकार पर सीधा हमला है।समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में विधानमंडल दल की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक न तो निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़े आए हैं और न ही किसी के पास प्रमाणिक आंकड़े हैं, फिर मुख्यमंत्री को यह कैसे पता चल गया कि चार करोड़ वोट कट गए हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा है कि भाजपा के नेता और विधायक रात में निजी कंपनियों के साथ बैठकर चार करोड़ वोट बराबर करने के लिए हेराफेरी कर रहे हैं। यदि चार करोड़ वोट कटे हैं, तो इसका मतलब 403 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन हर जगह भाजपा के 84 हजार वोट कटे हैं और यही भाजपा की हार का कारण बनेगा।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा एसआईआर के बहाने वोट काटने की रणनीति पर काम कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कह चुकी हैं कि भाजपा वोट काट रही है और लोगों से उनका मताधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सच्चाई यह है कि यह एसआईआर नहीं बल्कि एनआरसी है। कल को जब एनआरसी लागू होगा, तो सरकार और कौन–कौन से कागज मांगेगी। भाजपा सरकार जो काम खुद नहीं कर पा रही है, उसे चुनाव आयोग के माध्यम से करा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सरकार से मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया।अखिलेश यादव ने कहा कि रामपुर में एक मां पर एफआईआर दर्ज किया जाना इस बात का प्रमाण है कि कुछ अधिकारी साजिश के तहत काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पीडीए प्रहरियों पर गर्व है, जो पूरी जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं और बड़े पैमाने पर वोट बचा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता पूरी सतर्कता के साथ निगरानी कर रहे हैं ताकि भाजपा की साजिश के तहत किसी का वोट न कटने पाए। उन्होंने चेताया कि अब बिना नोटिस पहुंचे और नाम की स्पेलिंग में गलती के आधार पर वोट काटने की कोशिश हो रही है, जिस पर विशेष सावधानी बरतनी होगी।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की एकरंगी सरकार जनता के असली मुद्दों से डर गई है। विधानसभा में जनता से जुड़े सवालों पर चर्चा करने के बजाय भाजपा वंदे मातरम जैसे मुद्दों पर चर्चा कर ध्यान भटकाना चाहती है। जब लोकसभा में इस विषय पर चर्चा हो चुकी है, तो विधानसभा में इसे उठाने का मकसद केवल जनता का ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा, वे वंदे मातरम पर क्या चर्चा करेंगे। समाजवादी पार्टी के सभी विधायक पूरी तरह तैयार और सतर्क हैं।उन्होंने बताया कि विधायकों की बैठक में कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रदेश में कोडीन और नकली कफ सिरप को लेकर पूरे समाज में चिंता है। वाराणसी से शुरू हुआ हजारों करोड़ का कफ सिरप घोटाला पूरे प्रदेश, देश और विदेश तक फैला है। इस घोटाले से सैकड़ों कंपनियां जुड़ी हैं। घोटाले में शामिल लोगों की संपत्तियों का आकलन करने वाले अधिकारी डर के कारण भाग रहे हैं। पत्रकारों को धमकाया जा रहा है और सच्चाई सामने लाने वालों को दबाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार सच दिखाने वाले पत्रकारों को सुरक्षा दे।अखिलेश यादव ने कहा कि छोटी–छोटी घटनाओं पर बुलडोजर चलाने वाली सरकार का बुलडोजर अब कहां गायब हो गया है। क्या उसका ड्राइवर भाग गया है या चाभी खो गई है।

प्रदेश में जिन 22 से 24 स्थानों पर बुलडोजर चला है, उनमें से 22 जगह पीडीए समाज के लोगों पर कार्रवाई हुई है। अम्बेडकर नगर में एक व्यक्ति का घर गिराया गया और अब प्रशासन गैरकानूनी तरीके से समझौता कराने में लगा है। महराजगंज मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ–साथ नुकसान की भरपाई भी होनी चाहिए, लेकिन हजारों करोड़ के नकली कफ सिरप घोटाले में सरकार चुप है।

घैला डंपिंग स्थल से राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल तक का सफर, स्वच्छ भारत मिशन की मिसाल बना लखनऊ का नया केंद्र

लखनऊ(संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने नगर निगम लखनऊ सीमा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और शेष बचे कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मंत्री ने कहा कि यह स्थल लखनऊ नगर के लिए न केवल प्रेरणादायी होगा, बल्कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 तक नगर निगम लखनऊ क्षेत्र में आईआईएम रोड, घैला स्थित स्थल एकमात्र डंपिंग ग्राउंड था, जहां पूरे शहर से प्रतिदिन निकलने वाला ठोस अपशिष्ट लाकर डंप किया जाता था। उस समय वैज्ञानिक निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था न होने के कारण यहां लगभग 6 लाख 33 हजार 911 मीट्रिक टन लिगेसी वेस्ट जमा हो गया था। इस विशाल मात्रा में एकत्र कचरे से पर्यावरण, भू–जल स्तर और आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

मशरूम किसानों ने अखिलेश यादव से की मुलाकात, बटन मशरूम भेंट कर सब्सिडी की उठाई मांग

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से आज बाराबंकी जनपद की दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रगतिशील मशरूम किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में भेंट की। यह प्रतिनिधिमंडल पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा अनिमेष प्रताप सिंह 'राहुल' के नेतृत्व में पहुंचा और किसानों द्वारा उत्पादित बटन मशरूम भेंट कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया।प्रतिनिधिमंडल में शामिल किसानों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में वे अग्रणी हैं और प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन करने वाले किसानों में उनकी गिनती होती है। इसके बावजूद वर्तमान सरकार द्वारा मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसी भी प्रकार की सब्सिडी या अनुदान उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे मेहनतकश किसानों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।किसानों ने बताया कि मशरूम उत्पादन कम लागत में रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, लेकिन सरकारी उपेक्षा के कारण यह क्षेत्र अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से मशरूम किसान बृजेंद्र कुमार वर्मा, अनिल रावत, प्रदीप यादव और अनिल सिंह शामिल रहे।अखिलेश यादव ने किसानों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके प्रयासों की सराहना की। किसानों ने उनसे मांग की कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मशरूम उत्पादन से जुड़े मेहनतकश किसानों को सब्सिडी और प्रोत्साहन दिया जाए, ताकि यह क्षेत्र और अधिक विकसित हो सके और युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकें।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य चक्खन यादव, अवधेश चौधरी, प्रणव, सौरभ, अंकित सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और किसान साथी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि समाजवादी पार्टी किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देगी और सरकार बनने पर मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीति लागू की जाएगी।

सीएम ने रिमोट से भातखडे विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया

लखनऊ,संवाददाता। अवस्थीजी कहां हैं? आप अकेले आई हैं?य मुझे उन्होंने ही सुबह समारोह की सूचना दी और खुद गायब हो गए, वह भी अच्छे कलाकार हैं। सीएम योगी ने लखनऊ में लोक गायिका मालिनी अवस्थी से हुए इस संवाद के बारे में बताया तो पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। मौका था भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह का। सीएम योगी, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। समारोह में कथक नृत्यांगना पूर्णिमा पांड्य, मालिनी अवस्थी सहित चार पूर्व छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए उन्होंने लोक गायिका मालिनी अवस्थी से ये बातें पूछी थीं। फिर बाद में उन्होंने भाषण के दौरान सबको बताई। दरअसल, भातखंडे विश्वविद्यालय अपने 100 वर्ष की यात्रा को सेलिब्रेट कर रहा है। इस दौरान सीएम ने रिमोट से विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया। समारोह की विशिष्ट अतिथि मशहूर नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉक्टर सोनल मानसिंह रहीं। मुख्यमंत्री के अलावा मेयर सुषमा खर्कवाल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, डरू रामचंद्र प्रधान, एमएलसी अविनाश सिंह, एमएलए नीरज बोरा, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात भी पहुंचे। बता दें कि मालिनी अवस्थी, पूर्व सीनियर आईएएस अवनीश अवस्थी की पत्नी हैं। पूर्व आईएएस, सीएम योगी के भरोसेमंद अधिकारी रह चुके हैं। सीएम योगी ने कहा 1940 में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस संस्थान को एक विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया। 1947 के बाद से 2017 तक लगातार सरकारें आती गईं पर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। मुझे याद है कि एक दिन जब मैं तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक से मिलने गया तो उन्होंने कहा कि क्या भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय बनाया जा सकता है, तब मैंने उनसे कहा था कि मैं देखता हूं। आज यह विश्वविद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा–विवि ने इन 100 वर्षों में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया है। अपने 100वें वर्ष में यह विश्वविद्यालय नए कलेवर में आएगा। सरकार ने 6 एकड़ की भूमि इस विश्वविद्यालय को दी है। मुझे उम्मीद है कि ग्लोबल स्टैंडर्ड का कैंपस बनाया जाए जहां पर 2 ऑडिटोरियम और ओपन थिएटर हों। बेहतरीन लाइब्रेरी हो। इस पुराने परिसर को संगीत और उससे जुड़े सभी लोगों की स्मृति में म्यूजियम के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा जो बीज 1926 को अंकुरित हुआ था, वह साल 2022 तक में वृक्ष बन गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को पहला संस्कृति विश्वविद्यालय दिया। यह देश का दूसरा संस्कृति विश्वविद्यालय है। अपनी संस्कृति और परंपराओं को सीएम योगी आगे बढ़ा रहे हैं। उनके ही नेतृत्व में अयोध्या में दीपोत्सव शुरू हुआ। वहां रामलीला शुरू कराई जिसको यूनेस्को ने धरोहर के तौर पर मान्यता दी। देश की संस्कृति को आगे बढ़ाने में सभी साथ रहें।

एलडीए जनता अदालत में पेट पर शिकायत चिपकाकर अधिकारी से मिला फरियादी

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के कर्मियों की कार्यशैली से आजिज आकर अधिकारियों से यूनीक तरीके से शिकायत की। वह अपनी शिकायत पेट पर चिपकाकर एलडीए ऑफिस पहुंच गए। उन्होंने बताया कि घर के पास एक टावर लगा है। उसे हटवाने के लिए 8 महीने से दौड़ रहा हूं। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह देखने को मिला गुरुवार को एलडीए में आयोजित जनता अदालत में। इस दौरान दूसरे फरियादी भी पहुंचे जिन्होंने अपनी शिकायतें दीं। साथ ही नगर निगम के एक पार्षद भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि उनके वार्ड में भूमाफिया सरकारी जमीन पर होटल बनवा रहा है। उसे अधिकारी नहीं रोक रहे। गोमतीनगर से एक बुजुर्ग अपने घर के पास लगे टावर को हटवाने की शिकायत लेकर पहुंचे। सुरेश चंद्र ने बताया मेरे घर के पास में एक टावर लगा है। उसे हटाने की शिकायत वह 8 महीने से कर रहा हूं। अफसरों ने टावर हटाने के निर्देश भी दिए थे पर 8 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक वह नहीं हटा है। टावर मालिक से प्राधिकरण के अफसर मिल गए हैं इसीलिए टावर नहीं हट रहा। आशियाना रेजीडेंसी एसोसिएशन अध्यक्ष आरके पांडेय ने कहा आशियाना योजना बनाते समय अंसल ने सभी सेक्टरों में पार्क और कम्युनिटी सेंटर बनाने का वादा किया था। बाद में उसने जमीनों को बेच दिया। आवंटियों के दबाव के बाद अंसल ने आशियाना के सेक्टर–के में डेढ़ एकड़ जगह दी थी। उसके एक हिस्से में सभी आवंटियों ने पैसे से एक मंदिर बनवाया। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंदिर में अपना पुजारी बैठा दिया है। उस जमीन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण अब कम्युनिटी सेंटर बनाने जा रहा है, जबकि पूरी योजना में सिर्फ एक पार्क है। इसके साथ ही एसोसिएशन ने शिकायत की है कि पार्क पर किसी तरह का कोई निर्माण नहीं करवाया जाए। इब्राहिमपुर वार्ड के पार्षद बृजमोहन शर्मा ने बताया कि उनके वार्ड में हरिहर नगर स्थित सरकारी जमीन पर माफिया कब्जा करके होटल बना रहे हैं। 2016 में महेश वर्मा नाम के भूमाफिया पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद से उसने होटल के निर्माण का काम बंद कर दिया था। लेकिन 10 दिनों से आरोपी बिल्डर ने फिर से होटल निर्माण का काम शुरू कर दिया है। इसको लेकर के लखनऊ विकास प्राधिकरण के जेई और नगर निगम के तहसीलदार से कई बार शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इसकी शिकायत लेकर एलडीए वीसी से मिलने आए।

चार हत्यारों को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता।

बांदा। पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में वर्ष–2021 में थाना मटौंध क्षेत्र अन्तर्गत व्यक्ति को चाकू मारकर हत्या करने वाले चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास व जुर्माने से दण्डित कराया गया। गौरतलब हो कि 15 नवंबर 2021 को थाना मटौंध क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भूरागढ़ के रहने वाले रियाज खॉन उर्फ पप्पू पुत्र शहजाद, अन्जुम खॉन उर्फ नूरी पुत्री शहजाद, विल्लू उर्फ अरबाज पुत्र अनवर व शैलेन्द्र पुत्र मुन्नू द्वारा एक राय होकर चाकू मारकर गांव के ही एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी जिसके सम्बन्ध में मृतक के भाई जयसिंह की तहरीर पर थाना मटौंध में मु0अ0सं0 143/21 धारा 302/34 भादवि पंजी.त किया गया था। जिसकी विवेचना तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक थाना मटौंध अरविन्द सिंह गौर द्वारा सम्पादित की गयी। विवेचना के क्रम में विवेचक द्वारा प्रभावी विवेचना करते हुए 25 अगस्त 2022 आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया था। लोक अभियोजक मनोज कुमार दीक्षित व रामकुमार सिंह द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। साथ ही कोर्ट मोहर्रिर आरक्षी विपुल यादव तथा पैरोकार आरक्षी संदीप कुमार के अथक प्रयासों से अभियुक्त रियाज खॉन उर्फ पप्पू पुत्र शहजाद निवासी भूरागढ़ थाना मटौंध व अन्जुम खॉन उर्फ नूरी पुत्री शहजाद निवासी भूरागढ़ थाना मटौंध विल्लू उर्फ अरबाज पुत्र अनवर निवासी भूरागढ़ थाना मटौंध, शैलेन्द्र पुत्र मुन्नू निवासी भूरागढ़ थाना मटौंध को आजीवन कारावास व कुल 40 हजार रुपए के अर्थदंण्ड से दंण्डित कराया गया।

राजकीय इंटर कालेज मटौंध में वृहद रोजगार मेले का आयोजन

संवाददाता।

बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मिशन रोजगार के तहत गुरुवार को बांदा में सेवा नियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज मटौंध में एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 350 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया और यहां पर आई कई कंपनियों ने उनका साक्षात्कार लिया। जिसमें कुल 193 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया गया और सरकार के मिशन रोजगार के तहत इन सभी अभ्यर्थियों को अलग–अलग कंपनियों में नौकरी मिली। 5 कंपनियों ने 350 अभ्यर्थियों में 193 अभ्यर्थियों का किया चयन उक्त रोजगार मेले में 5 कंपनियों ने अभ्यर्थियों का चयन किया। जिसमें आमधन–ई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 12 अभ्यर्थियों का चयन किया, वहीं रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने 37 अभ्यर्थियों का, एजुवेंटेड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 16, सारा सिक्योरिटी सॉल्यूशन ने 128 व जीवितम कंपनी ने 23 अभ्यर्थियों का चयन किया और कुल 193 बेरोजगार अभ्यर्थियों को इस रोजगार मेले में नौकरी मिली। बृहद रोजगार मेले का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार द्वारा किया गया एवं इस अवसर पर सहायक निदेशक सेवायोजन अहमद अंसारी, जिला सेवायोजन अधिकारी मोहित जायसवाल, राजकीय इंटर कॉलेज मटौंध की प्रधानाचार्य प्रियंका सिंह उपस्थित रहीं। इन लोगों द्वारा चयनित हुए अभ्यर्थियों को बधाई दी गई और कहा कि सभी अभ्यर्थी अब अपने दायित्वों का सही से निर्वहन करें। वही इन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के मिशन रोजगार के तहत इस मेले का आयोजन कराया गया था। जिसका उद्देश्य सिर्फ इतना है कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को नौकरियां मिल सके।

जिला जज ने डीएम-एसपी के साथ कारागार में महिला बंदियों से किया संवाद

संवाददाता।

बांदा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत गुरूवार को मंडल कारागार में जिला न्यायाधीश अल्पना, जिलाधिकारी जे0 रिभा एवं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल महिला बैरक में निरुद्ध महिला बंदियों से शक्ति संवाद किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला बंदियों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से महिला हेल्पलाइन 1090, निःशुल्क विधिक सहायता, आपात कालीन पुलिस एवं स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास प्रशिक्षण आदि शामिल हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि रिहाई के पश्चात वे किन सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। इस दौरान महिला बंदियों को यह भी बताया गया कि महिला संबंधित किसी भी समस्या की स्थिति में वे किस तरह सहायता प्राप्त कर सकती हैं इसके अलावा, आत्मरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य एवं परिवारिक सहयोग जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला बंदियों ने भी अपने विचार साझा किए। अधिकारियों ने उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें शासन द्वारा महिला बंदियों के सशक्तीकरण हेतु संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता के लिए कौशल प्रशिक्षण, मनो–सामाजिक परामर्श, विधिक सहायता तथा पुनर्वास कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं।

अपात्र को केयरटेकर बनाने का आरोप, डीएम से जांच की मांग

संवाददाता।

बिसवां, सीतापुर। बिसवां विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत उलरा में सामुदायिक शौचालय के केयरटेकर पद पर अनियमित और कथित भ्रष्ट नियुक्ति का मामला सामने आया है। ढफरा मजरा उलरा निवासी शंभा देवी ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता शंभा देवी का आरोप है कि इस पद पर श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी निर्मल कुमार श्रीवास्तव की नियुक्ति की गई है, जबकि वे सामान्य जाति से होने के साथ आर्थिक रूप से संपन्न हैं। नियमों के अनुसार यह पद गरीब, जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए था, लेकिन पूर्व प्रधान और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अपात्र को लाभ पहुंचाया गया। शिकायत में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया है कि नियुक्त केयरटेकर लक्ष्मी देवी स्वयं कार्य नहीं कर रही हैं, बल्कि एक अन्य गांव की महिला मैकिन पत्नी रामप्रसाद से प्रतिमाह एक हजार रुपये में काम करवा रही हैं, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। शंभा देवी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस पूरे मामले में हुए भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी प्रधान व कर्मचारियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने स्वयं को पात्र गरीब महिला बताते हुए इस पद पर नियुक्त कर रोजगार उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत अधिकारी रविशंकर ने बताया कि उन्हें हाल ही में ग्राम पंचायत का कार्यभार सौंपा गया है और उनके कार्यभार संभालने से पहले ही चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आते ही उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। वहीं बीडीओ बिसवां सुमित सिंह ने भी पुष्टि की कि प्रकरण उनके संज्ञान में है और निष्पक्ष जांच कराए जाने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह होगा कि जांच में सच्चाई क्या सामने आती है और क्या गरीब पात्र महिला को वास्तव में उसका हक मिल पाता है या नहीं।

नैमिषारण्य रेलवे क्रासिंग पर हादसा, ट्रेन की चपेट में आई छात्रा

- छात्रा के कटे दोनों पैर, चीखती रही मुझे बचा लो

संवाददाता।

सीतापुर। गुरुवार सुबह की दिल दहला देने वाली घटना नैमिषारण्य थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। स्कूल जा रही 11 वीं कक्षा की छात्रा सिद्या (17) नैमिषारण्य रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि छात्रा के दोनों पैर कट गए, जबकि हाथों में भी गंभीर चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन की रतार बेहद तेज थी। टक्कर लगते ही छात्रा मौके पर गिर पड़ी और दर्द से तड़पते हुए चीखने लगी मुझे बचा लो। कुछ ही पलों में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, हालत नाजुक स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने घायल छात्रा को तत्काल पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से भी छात्रा की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है। सीएचसी प्रभारी के अनुसार, छात्रा की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। रेलवे क्रॉसिंग बंद थी, फिर कैसे हुआ हादसा? जानकारी के अनुसार, भट्ठापुरवा गांव निवासी अंबिका प्रसाद की बेटी सिद्या साइकिल से स्कूल जा रही थी। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने पर वह साइकिल को नीचे से निकालकर पार करने की कोशिश करने लगी। तभी अचानक बालामऊ बुढ़वल पैसेंजर ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गई। घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर उसकी टूटी हुई साइकिल मिली है। सिद्या नैमिषारण्य स्थित मूलचंद महतिया इंटर कॉलेज में 11 वीं कक्षा की छात्रा है। हादसे के बाद इलाके में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रॉसिंग बंद होने के बावजूद इस तरह का हादसा कई सवाल खड़े करता है। पुलिस जांच में जुटी सूचना मिलते ही नैमिषारण्य थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह केवल दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। लोग छात्रा के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं।

हरदौली गांव में कंबल व बच्चों की बांटे गर्म टोपी

संवाददाता।

बांदा। मौसम में आए अचानक बदलाव एवं बढ़ती ठंड को मद्देनजर रखते हुए हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन संस्था की टीम की ओर से बबेरू के ग्राम गौरीखानपुर में सीजन का दूसरा बड़ा बृहद कंबल वितरण किया गया। जिसमें लगभग एक सैकड़ा से अधिक जरूरत मंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए एवं एक सैकड़ा से अधिक बच्चों को सर्दी के गर्म टोपे वितरित किए गए जिसको पाकर जरूरतमंद परिवारों, बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों के चेहरों में खुशी देखी गई। ग्रामवासियों ने हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन ग्रुप की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। ग्राम वासियों का कहना था कि ठंड की इस घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के बुजुर्गों एवं बच्चों का संस्था ने ख्याल रखा गया और कंबल एवं गर्म टोपे उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक हसन उद्दीन सिद्दीकी के संरक्षण में आयोजन समिति हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन संस्था से संस्था के अध्यक्ष नदीम उल्ला खान, वरिष्ठ सहयोगियों में सुनील सक्सेना मीडिया प्रभारी, मोहम्मद शादाब पूर्व प्रधान, आरिफ खान, सैफ उल्ला उर्फ मुन्ना, उपाध्यक्ष जावेद खान, संगठन मंत्री शेख रिजवान, शाखा प्रमुख छावनी हसीब, शाखा प्रमुख खाईपार अली, महामंत्री शहबाज खान हनी, शाखा प्रमुख सिकंदर सनी, सोशल मीडिया प्रभारी उरूज, सहयोगी इरशाद हुसैन, टीपू, उपाध्यक्ष मोहम्मद फरहान एवं कलीम उल्ला खान, सचिव उमर अली, कोषाध्यक्ष अनस उल्ला खान, उपसचिव आसिफ मसूदी एवं गफार खान, कानूनी सलाहकार समीर उलहक एड, सलाहकार में आबिद अली, शिफात खान, विक्की खान, भरत हार्डवेयर, कार्यालय प्रभारी इमरान एवं शादाब हुसैन सदस्य ब्रज बिहारी, उस्मान सभी ने आए हुए जरूरतमंद परिवारों का आभार व्यक्त किया। टीम द्वारा अवगत कराया गया कि आगे भी सर्दी की रातों में जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाने के लिए संस्था के लोग सड़क किनारे सो रहे जरूरतमंदो में कंबल एवं गर्म टोपे आदि उपलब्ध कराने का कार्य हर साल की तरह इस साल भी बराबर करती रहेगी।

भाकियू राष्ट्र शक्तिने एसडीएम महोली को सौंपा ज्ञापन

- 29 दिसंबर तक कार्यवाही नहीं तो हाइवे किनारे होगा बड़ा आंदोलन

संवाददाता।

सीतापुर, महोली। किसानों की विभिन्न जायज मांगों को लेकर शिशुपाल सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष भाकियू राष्ट्र शक्ति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी महोली को सौंपा। जिसमें बिहटा गौर में सरकारी व तालाब की जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराने महोली में चौपरा गांव में एक युवती की हत्या के मामले में विपक्षीयों के विरुद्ध कार्यवाही करवाने पकरिया गांव में दबँगो द्वारा भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग रखी। सभी जायज मांगों पर कार्यवाही न होने पर 29 दिसंबर को हाइवे पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। महोली में भारतीय किसान यूनियन राष्ट्र शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी उमाशंकर यादव के निर्देशानुसार प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह की अगुवाई में भाकियू राष्ट्र शक्ति के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी महोली को सौपकर कार्यवाही की मांग की। 29 दिसंबर तक कार्यवाही न होने पर हेमपुर हाइवे पर बड़े आंदोलन की चेतावनी देते हुए जिलाधिकारी को घेरने की चेतावनी दी आज के ज्ञापन के प्रमुख मुद्दे बिहटगौर की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा पकरिया ग्राम की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा पकरिया की महिला की भूमि पर अवैध कब्जा चौपरा गांव में एक युवती की हत्या के संदर्भ में कार्यवाही की मांग प्रमुख रूप से रही। इस अवसर पर रणधीर सिंह, विमलेश सिंह, राजेश सिंह, राधा देवी, राजकुमारी, संतोष कुमार महेंद्र सिंह, जगमोहन गौतम, राजू कश्यप, हर्षकुमार सिंह, बिजेंद्र सिंह, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपरेशन जागृति के जरिए छात्रों को मिला कानून व संस्कारों का संदेश

संवाददाता।

फिरोजाबाद। राजकीय हाईस्कूल दबरई में ऑपरेशन जागृति फेस 5 के तहत आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में युवाओं को सामाजिक, मानसिक और कानूनी रूप से जागरूक करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने प्रश्न भी रखे, जिनका अधिकारियों और वक्ताओं द्वारा सरल भाषा में समाधान किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार और सकारात्मक नागरिक बनने का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। एसपी सिटी रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि, वर्तमान समय में भावनात्मक निर्णय युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। प्रेम प्रसंग के मामलों में जल्दबाजी या बिना परिपक्वता के उठाया गया कदम कई बार गंभीर परिणाम लेकर आता है। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में घर छोड़ने जैसा कदम न उठाएं। समस्या आने पर अपने परिजनों, शिक्षकों अथवा पुलिस से संवाद करना ही सही समाधान है। पुलिस विभाग युवाओं की सुरक्षा, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। सामाजिक कार्यकर्ता कल्पना राजौरिया ने कहा कि, ऑपरेशन जागृति फेस 5 का मुख्य फोकस युवाओं के प्रेम प्रसंग के चलते घर से चले जाने की बढ़ती घटनाओं पर है। भावनात्मक आवेग में लिया गया निर्णय पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है। छात्र.छात्राओं को आत्मसंयम, संवाद और धैर्य का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान बातचीत और समझदारी से संभव है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से विशेष रूप से सतर्क रहने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

साथ ही उन्होंने ऑपरेशन जागृति के अन्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, यह अभियान केवल एक विषय तक सीमित नहीं है। बल्कि, इसके तहत साइबर अपराध से बचाव, नशे से दूरी, महिला सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम, यातायात नियमों का पालन और कानून के प्रति सम्मान जैसे विषयों पर भी लगातार जागरूक किया जा रहा है। युवाओं को यह समझना होगा कि कानून उनका शत्रु नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा का मजबूत आधार है। विद्यालय के प्रधानाचार्य यतेंद्र यादव ने कहा कि, इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इससे न केवल उन्हें कानून और समाज की सही समझ मिलती है बल्कि, वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही मार्ग चुनने में सक्षम होते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी विमलेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस विभाग से निधि, रुचिका, कामना, कोमल, प्रिंस चौधरी, शमशाद खान, शिक्षक प्रीती, पूनम, दिग्विजय व अन्य उपस्थित रहे।

साप्ताहिक बाजार बंदी को लेकर के प्रस्ताव भेजें

संवाददाता।

इटावा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ एके शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला ने संयुक्त रूप से ऋषभ कंप्यूटर पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जनपद के व्यापारियों से अपील की है कि सहायक श्रमायुक्त, कुलदीप सिंह ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी द्वारा उ0प्र0 दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 की धारा 8 एवं नियमावली के नियम 6 के अन्तर्गत जनपद में स्थित नगर पालिका, भरथना जसवंतनगर तथा टाउन ऐरिया इकदिल लखना, बकेवर एवं नोटिफाइड ऐरिया बसरेहर, महेवा की समस्त दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों हेतु साप्ताहिक बन्दी दिवस निर्धारित की जानी है। जनपद के समस्त व्यापारिक संगठनों से अनुरोध है कि व्यापारी संगठन अपने अपने क्षेत्र की साप्ताहिक बन्दी के दिवस में परिवर्तन चाहते है तो अपना प्रत्यावेतन कार्यालय सहायक श्रमायुक्त में एक सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत करें अन्यथा की स्थिति में पूर्व की भांति साप्ताहिक बन्दी दिवस घोषित करने की कार्यवाही की जायेगी उपरोक्त साप्ताहिक बंदी दिवस में किसी भी प्रकार का कोई सुझाव हो तो वह अभिलंब उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल को लिखित रूप से भेजें जिससे कि इस पर उचित कार्रवाई कराई जा सके बैठक में प्रमुख रूप से युवा जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता जिला उपाध्यक्ष राजीव पाल जिला उपाध्यक्ष शरद बाजपेई उद्योग मंच के जिलाध्यक्ष मेजर पांडे जिला संगठन मंत्री अवधेश दुबे नगर महामंत्री विवेक गुप्ता नगर उपाध्यक्ष हरेंद्र भदोरिया नगर उपाध्यक्ष एकलव्य भदोरिया युवा जिला उपाध्यक्ष तरुण रंजन गुप्ता युवा शहर अध्यक्ष मुकेश दुबे युवा शहर उपाध्यक्ष आशीष तिवारी युवा शहर कोषाध्यक्ष गोविंद .ष्ण भदोरिया गोपाल पांडे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डीएम ने मछरिया में बन रही गौशाला का किया निरीक्षण

संवाददाता।

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखा और संबंधित कार्यदाई संस्था नगर पंचायत को तय समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस 25 दिसंबर को इसका उद्घाटन अवश्य हो जाएगा। यह गौशाला एक करोड़ 65 लाख की लागत से बन रही है तथा यह गौशाला पूरी तरह से सोलर पैनल से संचालित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोवंशों के लिए बनाए जा रहे शेड, पेयजल हेतु नांद, भूसा गोदाम और केयरटेकर के रूम का भी अवलोकन किया। उन्होंने शेड की ऊंचाई और वेंटिलेशन का विशेष ध्यान रखने की भी बात कही ताकि गर्मी व शीत ऋतु में गोवंशों को कोई असुविधा न हो, उन्होंने परिसर में जलभराव को रोकने के लिए सोख्ता ड्रेनेज सिस्टम और गोबर प्रबंधन के लिए भी अभी से तैयारी करने की बात कही इसके पश्चात् नगर पंचायत एका के परिसर में निर्मित 69 गोवंशों की क्षमता से युक्त कान्हा गौशाला का भी निरीक्षण करने गए, जहां उन्हे बताया गया कि इन गोवंशों की देखरेख के लिए तीन केयर टेकर हैं यहां पर जिलाधिकारी ने पशुओं की टैगिंग प्रक्रिया को पोर्टल पर अपलोड न पाए जाने पर अत्यंत नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि यहां समस्त गोवंशो की टैगिंग कराकर पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यहां पर पशुओं के लिए ठंड से बचाव करने हेतु समुचित व्यवस्थाएं निर्देशित किया। जिलाधिकारी के साथ अपर जिलाधिकारी विशु राजा भी उपस्थित रहें।

साइकिल सवार बुजुर्ग को पिकअप ने रौंदा, मौके पर मौत

संवाददाता।

महमूदाबाद, सीतापुर। महमूदाबाद क्षेत्र के बहरौली गांव के पास गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे एक भीषण सड़क हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान चुनका पुत्र दयाल के रूप में हुई है, जो साइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात पिकअप वाहन ने उन्हें तेज रतार में टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि चुनका सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद काफी देर तक उनका शव सड़क पर पड़ा रहा, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महमूदाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई में जुट गई है। अज्ञात पिकअप वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

केन जल आरती में गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की उठी मांग

संवाददाता।

बांदा। जनपद के भूरागढ़ क्षेत्र अंतर्गत केन जल महाआरती स्थल पर भव्य केन जल महाआरती कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति एवं गंगा समग्र कानपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से केन जल महाआरती कार्यक्रम को संपन्न किया। श्रद्धालुओं ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने को लेकर आवाज बुलंद की साथ ही वर्तमान में गौवंश पर हो रहे अत्याचार को लेकर नाराजगी भी जाहिर की। समिति के जिलाध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि गौ रक्षा समिति लगातार ही जिले भर की गौशालाओं का भ्रमण कर रही है और लगातार ही गौशालाओं में गौवंश की दुर्दशा देखने को मिल रही है जोकि चिंताजनक विषय है। जबकि सरकार द्वारा गौवंश की उचित व्यवस्थाओं के लिए धन प्रदान किया जाता है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते गौवंश की दशा दयनीय बनी हुई है। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने को लेकर भारत सरकार से मांग की है जिससे गौवंश की दशा में भी सुधार हो सकेगा। इस दौरान सभी ने शीश नवाकर केन मां का आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात सभी को प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष आरती देवी जिलाध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ दीपक शुक्ला जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरिया नगर अध्यक्ष ऋषभ कुमार विश्वकर्मा लोहा सिंह शिवम सिंह सहित तमाम श्रद्धालु लोग मौजूद रहे।

डा. पीएन नेशनल मेडिकल डाक्टर एंड हेल्थ वर्कर वेलफेयर बोर्ड के बनें निर्देशक

संवाददाता।

बांदा। भारतीय जनता मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत प्रकाश जाटव ने डॉ. पीएन वर्मा को नेशनल मेडिकल डॉक्टर एंड हेल्थ वर्कर वेलफेयर बोर्ड का निर्देशक नियुक्त किया है। डॉ. वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर संत प्रकाश जाटव का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि वे जनहित में नियम अनुसार सहयोग प्रदान करेंगे। डॉ. पी.एन. वर्मा की प्रोफाइल निर्देशक, नेशनल मेडिकल डॉक्टर एंड हेल्थ वर्कर वेलफेयर बोर्ड, क्षेत्रीय प्रमुख, शोध विभाग, कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र, भाजपा अनुसूचित मोर्चा, जिला प्रभारी, महोबा, श्री संत प्रकाश जाटव जी की प्रोफाइल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता मजदूर संघ, एक अनुभवी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

एसडीएम नानपारा ने पकड़ा अवैध बालू से भरा ट्रक

संवाददाता।

बहराइच। तहसील कार्यालय नानपारा में जनसुनवाई के दौरान उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के मोबाइल पर सुबह लगभग पूर्वान्ह 10:00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि नानपारा में गल्ला मंडी के पास शिवपुर रोड पर एक अवैध रूप से रेत/बालू से भरा ट्रक खड़ा है। शिकायत की गम्भीरता को देखते हुए एसडीएम ने पुलिस क्षेत्राधिकारी पहुप सिंह के साथ मौके पर पहुंच कर देखा कि बालू से लदा हुआ एक ट्रक यूपी 40–टी–4813 रेत उतार रहा था। एसडीएम व सीओ द्वारा ट्रक चालक से बालू से संबंधित आवश्यक कागजात मांगने पर चालक द्वारा कोई कागजात नहीं दिखाए गए। एसडीएम ने उक्त ट्रक को थानाध्यक्ष नानपारा को सुपुर्द करते हुए जिला खनन अधिकारी को दूरभाष पर निर्देशित किया कि तत्काल तहसील नानपारा आकर ट्रक में भरी बालू की जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। एसडीएम की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कप मच गया। एसडीएम ने बताया कि किसी भी दशा में अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। भविष्य में भी राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें निरन्तर भ्रमणशील रहकर अवैध खनन तथा परिवहन में संलिप्त वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करती रहेंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.

9807059191. 9026560178

Email-

adbhutsamachar@gmail.com

adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।